खास समाचार

अवैध कॉलोनी में मुरम का भराव, एसडीएम की रोक के बाद फिर शुरू

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों के निर्माण को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। इसी क्रम में सारंगपुर के समीप एबी रोड स्थित ग्राम एहसानपुरा में सर्वे क्रमांक 45/2 एवं 54/1 में कथित रूप से बिना अनुमति कॉलोनी विकसित किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि उक्त भूमि पर पूर्व में तत्कालीन एसडीएम द्वारा अवैध कॉलोनी निर्माण को लेकर रोक लगाई गई थी। इसके बावजूद अब अधिकारी के स्थानांतरण के बाद सर्वे क्रमांक 45/2, 54/1, 55/1 एवं 56/1 में दोबारा कॉलोनी विकसित करने की गतिविधियां शुरू होने का आरोप है। मौके पर प्लॉटनुमा क्षेत्र तैयार करने के लिए मुरम का भराव कर सड़कनुमा रास्ते बनाए जाने की बात सामने आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बिना सक्षम अनुमति के यह कार्य किया जा रहा है तो इसकी जांच कर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।

राज्य मंत्री टेटवाल ने मिट्टी की प्रतिमा का किया विसर्जन पर्यावरण का दिया संदेश

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर । दस दिवसीय गणेश उत्सव शुक्रवार को विधि विधान के साथ संपन्न हुआ नगर में छोटे बड़े दर्जनों पंडालों में विराजित गणेश जी की महा आरती की गई विभिन्न गणेश उत्सव समिति के द्वारा गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया गया ।

प्रतिमा विसर्जन के दौरान नगर में सुरक्षा चाक चौबंद रही वही विसर्जन कुंड से लेकर कपिलेश्वर तीर्थ धाम स्थित कालीसिंध नदी में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस दौरान राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने मिट्टी से बनी प्रतिमा का विधि विधान के साथ पूजन कर विसर्जन किया वहीं हिन्दू उत्सव समिति के द्वारा सभी गणेश पंडालों में पहुंचकर गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए प्राप्त सुरक्षा व्यवस्था की बात कही । 10 दिनों तक चले इस धार्मिक उत्सव गणेश विसर्जन के साथ ही पित् पक्ष की शुरूआत हो गई है । ऐसे में देर रात आकर्षक झाकियों के जुलूस में शामिल होने की हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष ध्रुव भल्ला ने सभी धार्मिक लोगों से चलसमारोह में शामिल होने की अपील की।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण: चाचौड़ा के मेला ग्राउंड में गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर

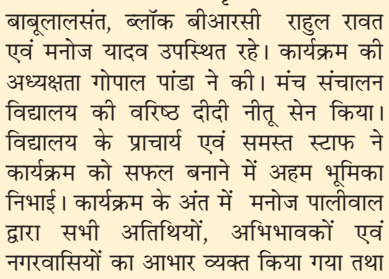

नईदुनिया प्रतिनिधि चाचौड़ा। 25 सितंबर 2026 को संपूर्ण भारतवर्ष में राष्ट्रगीत *वंदे मातरम्* के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक वंदे मातरम गान का आयोजन किया गया। इसी क्रम में चाचौड़ा ब्लॉक के समस्त सरस्वती शिशु विद्या मंदिरों द्वारा सामूहिक गान के कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य आयोजन चाचौड़ा सरस्वती शिशु मंदिर के तत्वाधान में स्थानीय मेला ग्राउंड में किया गया। विद्यालय के नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं, पूर्व छात्रों, अभिभावकों तथा नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में पूरे जोश और देशभक्ति के साथ वंदे मातरम का गायन किया गया। मेला ग्राउंड वंदे मातरम के उद्घोष से गूंज उठा।

वंदे मातरम के इतिहास से कराया अवगत

-कार्यक्रम के दौरान मनोज यादव के द्वारा वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय एवं इसके 150 वर्ष के गौरवशाली इतिहास के बारे में विस्तार से बताया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्रधान अध्यापक बाबूलालसंत, ब्लॉक बीआरसी राहुल रावत एवं मनोज यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपाल पांडा ने की। मंच संचालन विद्यालय की वरिष्ठ दीदी नीतू सेन किया। विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में मनोज पालीवाल द्वारा सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं नगरवासियों का आभार व्यक्त किया गया तथा वंदे मातरम के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। विशिष्ट उपस्थिति एवं जन-सहभागिता इस राष्ट्रभक्ति अनुष्ठान में कुल 185 गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसमें विद्यालय के प्यारे भैया-बहन, अभिभावकगण, प्रबंध समिति के सम्मानित सदस्य, आचार्यवृन्द, मातृशक्ति एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिक बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। संपूर्ण वातावरण समाज के सभी वर्गों की इस अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता से हो गया।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान : 1.15 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

कड़ियाहाट एवं सेमलापार में राज्यमंत्री पंवार ने किया जनसंवाद

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़/ब्यावरा । मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत शनिवार को ग्राम पंचायत कड़ियाहाट एवं ग्राम सेमलापार में आयोजित लोक कल्याण शिविर तथा लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग श्री नारायण सिंह पंवार ने सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित एवं उचित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत कड़ियाहाट में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पंवार ने 1 करोड़ 15 लाख रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि ये विकास कार्य क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार तथा ग्रामीणों के जनजीवन को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति लगाए कम से कम 100 पौधे

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पंवार ने कहा कि हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि अपने जीवन में कम से कम 100 पेड़ अवश्य लगाएंगे और उनकी देखभाल भी करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया था।

वे जब भी कोई निर्माण कार्य करवाते थे, उसके आसपास कुएं और बावड़ियों का निर्माण करवाने के साथ ही फलदार वृक्ष भी लगाते थे, ताकि राहगीरों को पीने के लिए पानी और भोजन के लिए फल मिल सकें तथा पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम अपनी पुरातन परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण करें और लगाए गए पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी जिम्मेदारीपूर्वक देखभाल करें। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि प्रत्येक परिवार पर्यावरण संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी मानते हुए पौधरोपण का संकल्प ले।

जल संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पंवार ने जल संरक्षण पर चर्चा करते हुए कहा कि जल का संरक्षण केवल सरकार की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक

जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भूजल का जिस तेजी से उपयोग हो रहा है, उसके संरक्षण के लिए वर्षाजल को अधिक से अधिक धरती में पहुंचाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि हमने धरती से जितना पानी निकाला है, उतना ही पानी पुन: धरती में पहुंचाने का प्रयास करना होगा। इसके लिए वर्षाजल संचयन, सोख्ता गड्ढों, जल संरचनाओं के संरक्षण एवं अन्य जल संरक्षण उपायों को अपनाना जरूरी है, ताकि भूजल स्तर को बढ़ाया जा सके और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित रखा जा सके।

ग्रामीणों से योजनाओं के लाभ को लेकर संवाद इस दौरान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पंवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी ग्रामीणों से साझा की। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं का लाभ मिलने की स्थिति के बारे में भी संवाद किया और पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बरसों पुरानी अखाड़ा परंपरा के साथ निकला गणेश विसर्जन चल समारोह

जय बजरंग अखाड़ा की अगुवाई में 15 गणेश प्रतिमाएं शामिल

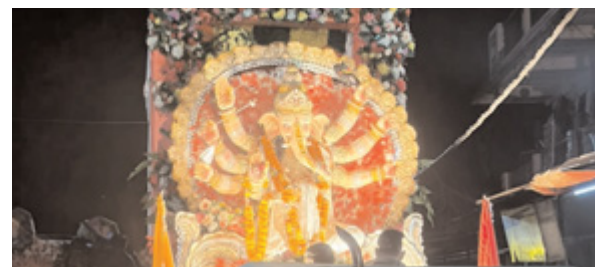

नईदुनिया प्रतिनिधि चाचौड़ा। अनंत चतुर्दशी पर चाचौड़ा में बरसों पुरानी अखाड़ा परंपरा श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाई गई। जय बजरंग अखाड़ा समिति की अगुवाई में निकले गणेश विसर्जन चल समारोह में नगर और आसपास के क्षेत्रों की 15 गणेश प्रतिमाएं शामिल हुईं। फूलों और विद्युत सज्जा से सजे वाहनों पर विराजमान प्रतिमाएं आकर्षण का केंद्र रहीं।

अखाड़ा सदस्यों ने पारंपरिक कला और करतबों का किया प्रदर्शन

10 दिनों तक चले गणेशोत्सव के विसर्जन के समय भावपूर्ण नजारा देखने को मिला। भक्तों ने धूमधाम व भव्यता के साथ निकल रहे चल समारोह के दौरान 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के साथ 'गोविंदा-गोविंदा' के जयकारे गूंजते रहे। अखाड़ा सदस्यों ने पारंपरिक कला और करतबों का प्रदर्शन किया। समारोह देखने के लिए चाचौड़ा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भक्ति भाव के साथ गणपति बप्पा को विदाई दी।

दशकों पुरानी परंपरा निभाई

चल समारोह से लेकर विसर्जन तक जय बजरंग अखाड़ा समिति और पुलिस प्रशासन ने चाक-चौबंद व्यवस्था संभाली। किसी भी तरह की अनहोने से निपटने के लिए पुलिस ने जगह जगह बल तैनात कर रखा था जिससे सुरक्षित माहौल में गणेश प्रतिमा विसर्जन हो सके।

मार्ग और विसर्जन स्थल पर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अनंत चतुर्दशी पर होने वाला यह अखाड़ा और गणेश विसर्जन समारोह चाचौड़ा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का वर्षों पुराना हिस्सा है, जिसमें हर वर्ष नगरवासी उत्साह से भाग लेते हैं।

25-30 वर्षों बाद हुआ जटिल मेजर जनरल ऑपरेशन हर्नियोप्लास्टी और ब्रेन ट्यूमर की सफल सर्जरी

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर । मध्य प्रदेश के सारंगपुर सिविल अस्पताल में चिकित्सा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सफलता दर्ज की गई है। यहां लगभग 25 से 30 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद एक बेहद जटिल मेजर जनरल सर्जरी (हर्नियोप्लास्टी) को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है। यह उपलब्धि क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए वरदान साबित हुई है।

डॉ. अंकुर देशवाली (एमएस, पीडियाट्रिक सर्जन एवं जनरल सर्जन) का परिचय एवं विशेषज्ञता

सारंगपुर सिविल अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे डॉ. अंकुर देशवाली बच्चों और बड़ों की जटिल से जटिल सर्जरी करने में अपनी विशेष विशेषज्ञता रखते हैं। उनकी इसी उच्च दक्षता और अनुभव के कारण ही वर्षों से असाध्य और अन्य जगहों से खारिज किए जा चुके गंभीर मामलों का इलाज अब स्थानीय स्तर पर संभव हो पा रहा है। एनेस्थीसिया के जोखिम और आर्थिक तंगी से जूझ रहे मरीजों के लिए वे एक नई उम्मीद बनकर उभरे हैं, जिन्होंने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपनी मेडिकल टीम के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक सफलता को हासिल किया है।

एनेस्थीसिया के लिए अनफिट थे मरीज, डॉक्टर अंकुर देशवाली ने दिखाई राह

नारायणपुरा निवासी 60 वर्षीय देवी सिंह (पिता भेरूलाल) को हर्निया की गंभीर बीमारी थी और साथ ही पेशाब में

रुकावट की समस्या भी बनी हुई थी। उन्हें उच्च रक्तचाप (ब्लड प्रेशर), ईसीजी में बदलाव और छाती में संक्रमण जैसी समस्याओं के कारण अन्य स्थानों पर एनेस्थीसिया देने से मना कर दिया गया था। मरीज की आर्थिक स्थिति भी बेहद कमजोर थी, जिससे वे बाहर इलाज कराने में असमर्थ थे। ऐसी विकट परिस्थिति में जब मरीज को असहनीय दर्द और पेशाब में तीव्र रुकावट होने लगी, तब उन्होंने डॉ. अंकुर देशवाली से संपर्क किया। डॉक्टर देशवाली ने जोखिम भरे मामले में सूझबूझ दिखाते हुए मरीज का रिजनल एनेस्थीसिया की मदद से ऑपरेशन करने की योजना बनाई। सिविल अस्पताल में सफलतापूर्वक हर्नियोप्लास्टी का ऑपरेशन कर आंतों को यथास्थान सुरक्षित किया गया।

महाआरती, छप्पन भोग और भजन संध्या में उमड़े श्रद्धालु, बच्चों की भक्ति ने खींचा ध्यान

नईदुनिया प्रतिनिधि माचलपुर: नगर में दस दिवसीय गणेश उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। दस दिनों तक नगर के विभिन्न गणेश मंदिरों, सार्वजनिक स्थानों और घरों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं विराजित कर प्रतिदिन पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। गणेश उत्सव के चलते पूरे नगर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। नगर के प्रमुख गणेश मंदिरों में उत्सव के दौरान विशेष श्रृंगार एवं आकर्षक साज-सज्जा की गई। मंदिरों में विधि-विधान से पूजन-अर्चन के बाद महाआरती का आयोजन हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए छप्पन भोग एवं महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर भगवान गणेश

के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की।

बजरंग रोड पर बच्चों ने दिखाई बाल भक्ति

बजरंग रोड पर छोटे-छोटे बच्चों द्वारा भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर गणेश उत्सव मनाया गया। बच्चों ने प्रतिदिन पूजा-अर्चना और आरती में भाग लिया। बच्चों द्वारा स्वयं प्रतिमा स्थापित कर धार्मिक आयोजन करना उनकी अनोखी बाल भक्ति को दर्शाता रहा। बच्चों की इस पहल ने क्षेत्रवासियों का भी ध्यान आकर्षित किया।

चिंतामण गणेश बुरंज मंदिर में विशेष साज-सज्जा

गणेश उत्सव के दौरान विशेष साज-सज्जा की गई। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। यहां दर्शन पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

बाल सगाई एवं झगड़ा मांगने के विवाद का वन स्टॉप सेंटर ने कराया सौहार्दपूर्ण निराकरण,बच्ची को मिली अपना निर्णय लेने की छूट

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़ कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती अंशु बाला मसीह के मार्गदर्शन में संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी) राजगढ़ द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित पारिवारिक एवं आपसी विवादों के समाधान की दिशा में एक और सराहनीय पहल की गई। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक रश्मि चौहान के सकारात्मक प्रयासों एवं समझाइश से बचपन में हुई बाल सगाई से उत्पन्न विवाद का सौहार्दपूर्ण निराकरण संभव हुआ।

परिवर्तित नाम गीता द्वारा वन स्टॉप सेंटर में शिकायती आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया कि बचपन में उसके परिजनों द्वारा परिवर्तित नाम गोपाल के साथ उसकी सगाई कर दी गई थी तथा बालिग होने पर विवाह तय किया गया था। वर्तमान में गीता 18 वर्ष से कम

आयु की होने के साथ अपनी पढ़ाई एवं नर्सिंग प्रशिक्षण कर रही है।

गोपाल के परिजनों द्वारा विवाह के लिए उसके माता-पिता पर दबाव बनाया जा रहा था तथा विवाह नहीं करने की स्थिति में झगड़ा मांगने की बात कही जा रही थी। इस विवाद के चलते दोनों पक्षों के बीच तनाव उत्पन्न हुआ तथा संबंधित थाने में शिकायत एवं एफआईआर भी दर्ज कराई गई। गीता ने वन स्टॉप सेंटर में बताया कि वह वर्तमान में पढ़ाई एवं नर्सिंग प्रशिक्षण कर रही है तथा वह गोपाल से विवाह नहीं करना चाहती।

वह अपने जीवन से संबंधित निर्णय स्वयं लेना चाहती है। शिकायती आवेदन पर वन स्टॉप सेंटर की केस वर्कर गुंजा सक्सेना द्वारा अनावेदक पक्ष से दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर दोनों पक्षों को वन स्टॉप सेंटर कार्यालय में उपस्थित होने हेतु कहा गया। दोनों पक्ष अपने परिजनों के साथ केंद्र में उपस्थित हुए।

वन स्टॉप सेंटर द्वारा दोनों पक्षों एवं उनके परिजनों की काउंसलिंग करते हुए समझाइश दी गई कि बचपन में की गई सगाई अथवा बाल विवाह बच्चों के भविष्य में अनेक सामाजिक एवं पारिवारिक समस्याओं का कारण बन सकता है। बालिग होने के बाद प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन एवं विवाह के संबंध में अपनी इच्छा और सहमति से निर्णय लेने का अधिकार है। किसी भी प्रकार का दबाव या जबरदस्ती उचित नहीं है।

ब्लॉक स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

नईदुनिया प्रतिनिधि ब्यावरा। ब्यावरा ब्लॉक स्तरीय अंडर-14 एवं अंडर-19 बालक-बालिका वर्ग की खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय इंदौर पब्लिक स्कूल, ब्यावरा के खेल मैदान में किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बालिका वर्ग में इंदौर पब्लिक स्कूल की टीम विजेता रही, जबकि प्रगतिपथ स्कूल की टीम ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर-14 बालक वर्ग में प्रगतिपथ स्कूल विजेता तथा ज्योति कॉन्वेंट स्कूल उपविजेता रहा। अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग में मानस विद्यालय की टीम ने विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि आइडियल कॉन्वेंट स्कूल की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता के दौरान संगठन सचिव देवेंद्र सक्सेना, इंदौर पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर हरिओम दांगी एवं प्राचार्य चेनसिंह जाटव उपस्थित रहे। खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने के लिए कोच विद्या चौहान, ओविस अली, धारणा नामदेव, बुलबुल गौड़, निखिल शाक्यवार एवं अजय बड़ोनिया मौजूद रहे।

'नमामि भारतम्' के तहत सरस्वती विद्या मंदिर में हुआ सामूहिक गायन

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर। वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में आयोजित देशव्यापी अभियान 'नमामि भारतम्' के अंतर्गत शुक्रवार को सरस्वती विद्या मंदिर सारंगपुर में सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों, आचार्यों, अभिभावकों एवं नागरिकों ने एक स्वर और एक लय में पूर्ण वंदे मातरम् का गायन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां भारती के वंदन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल, मुख्य वक्ता गुरुचरण गौड़, नगर पालिका उपाध्यक्ष भावना नीलेश वर्मा, शासकीय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता गुप्ता तथा विद्यालय समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता गुरुचरण गौड़ ने कहा कि 'नमामि भारतम्' केवल सामूहिक गायन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को राष्ट्रीय चेतना, संस्कृति, संस्कार एवं स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली परंपरा से जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रभक्ति को अपने आचरण एवं कर्तव्य पालन में उतारने का आह्वान किया। वही मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने वंदे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत ने देशवासियों में राष्ट्रभाव, साहस एवं समर्पण की भावना जागृत की। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति और स्वतंत्रता के इतिहास से जुड़े रहने का आह्वान किया।

जिला अस्पताल की मानवीय पहल ,70 वर्षीय बुजुर्ग को इलाज के बाद आश्रम में मिला सहारा

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़। जिला अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराए गए एक निराश्रित 70 वर्षीय बुजुर्ग को उपचार के बाद सुरक्षित आश्रय मिल गया। पहचान और परिजनों की जानकारी नहीं होने के कारण जिला अस्पताल प्रबंधन ने एसडीएम की अनुमति से बुजुर्ग को सेवाधाम आश्रम, उज्जैन भेजने की व्यवस्था की। यह एक मानवीय पहल है क्योंकि अधिकतर देखा गया है कि इस तरह के मामलों में अधिकतर डॉ प्रोफेशनल हो जाते है और उनका किसी की जिंदगी की इतनी कीमत नजर नहीं आती कि उसे सुरक्षित आश्रम तक पहुचाकर उसे नई जिंदगी दी जाएँ

जिला चिकित्सालय प्रशासन के अनुसार बुजुर्ग को 20 सितंबर को एंबुलेंस की सहायता से गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बुजुर्ग अपना नाम-पता तक बताने की स्थिति में नहीं थे। उनके पास पहचान से संबंधित कोई दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं था और न ही कोई परिजन साथ था।

अस्पताल के मेल मेडिकल वार्ड में भर्ती कर चिकित्सकों और स्टाफ ने बुजुर्ग का उपचार शुरू किया। अस्पताल स्टाफ द्वारा लगातार देखभाल किए जाने के बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार हुआ। स्वास्थ्य में सुधार होने पर 23 सितंबर को उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। हालांकि पहचान और स्थायी पते की जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण डिस्चार्ज के बाद उनके सामने सुरक्षित ठिकाने की समस्या बनी रही। अस्पताल प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों ने बुजुर्ग को सुरक्षित रखने

के लिए प्रयास शुरू किए। इसके बाद एसडीएम की अनुमति से 26 सितंबर को बुजुर्ग को सेवाधाम आश्रम, उज्जैन भेजा गया, जहां उनके रहने और उचित देखभाल की व्यवस्था की जाएगी।अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया में मेल मेडिकल वार्ड की इंचार्ज रोशनी कटारे सहित अन्य स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि निराश्रित बुजुर्ग की मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें सुरक्षित आश्रय तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।